Baba’s Praise

14/3/2015

- तुम बच्चे जानते हो इनमें जिसका प्रवेश है, जो हमको अपना और रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान सुना रहे हैं वह सबका दु:ख हरकर सबको सुखदाई बना रहे हैं।

- बाप कहते हैं हम आये हैं बच्चों को सुखधाम, शान्तिधाम ले जाने लिए।

- तुम यह योग एक ही बार सीखते हो। बाकी वह सब अनेक प्रकार के हठयोग सिखलाते हैं। तुम बच्चे अच्छी रीति जानते हो यह वही बाप राजयोग सिखला रहे हैं, जिसको याद करते हैं-हे पतितपावन आओ।

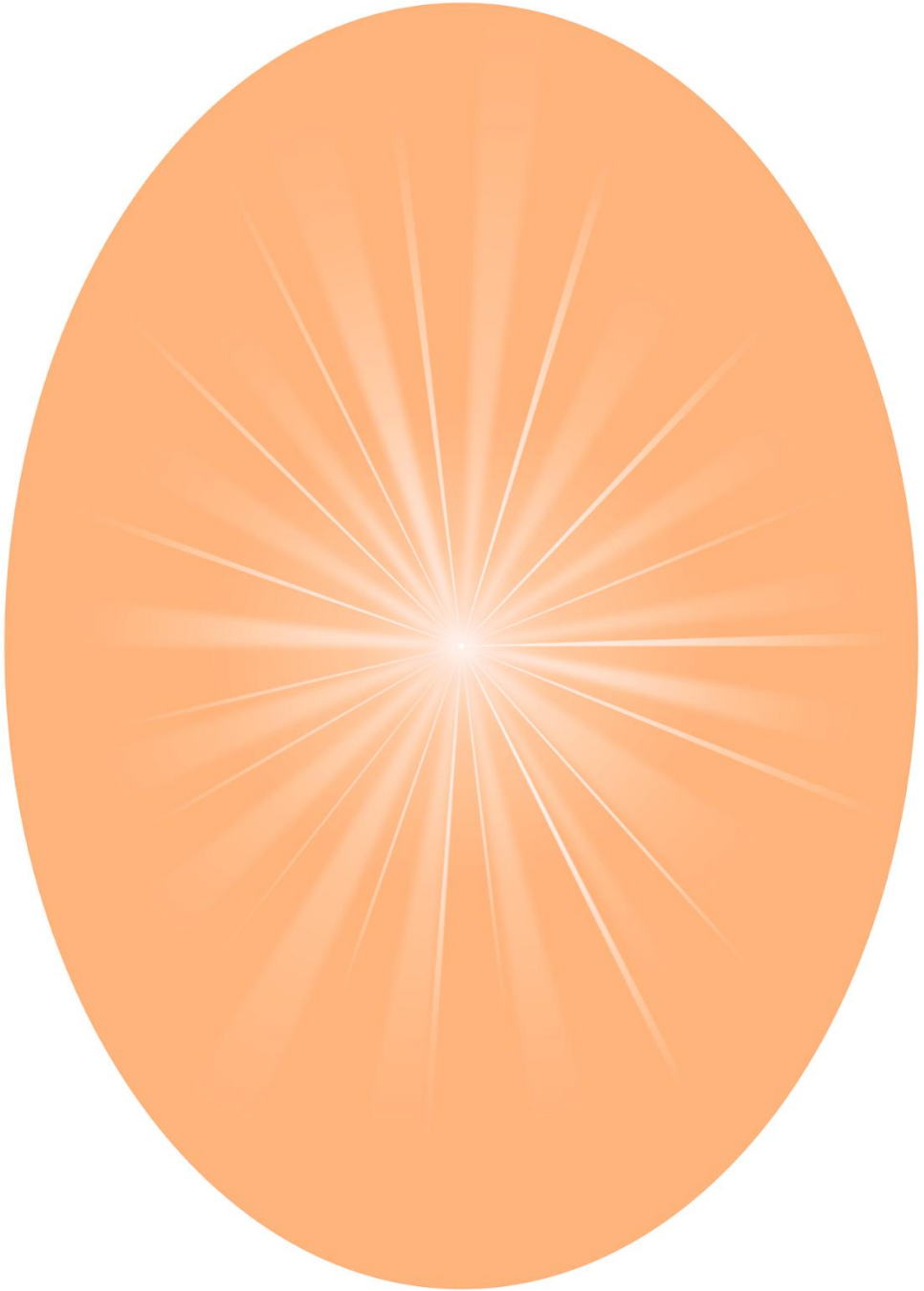

- बाबा अभी हमको 21 जन्म के लिए सुख देने के लिए आये हैं। बाकी जो पीछे आते हैं उन सबको मुक्ति देने आये हैं।

- बाप खुद कहते हैं मुझे इस प्रकार याद करो। पतित-पावन मैं हूँ।

- बच्चे जानते हो हमको कौन पढ़ाते हैं, ज्ञान का सागर पतित-पावन बाप जो सभी का सद्गति दाता है।

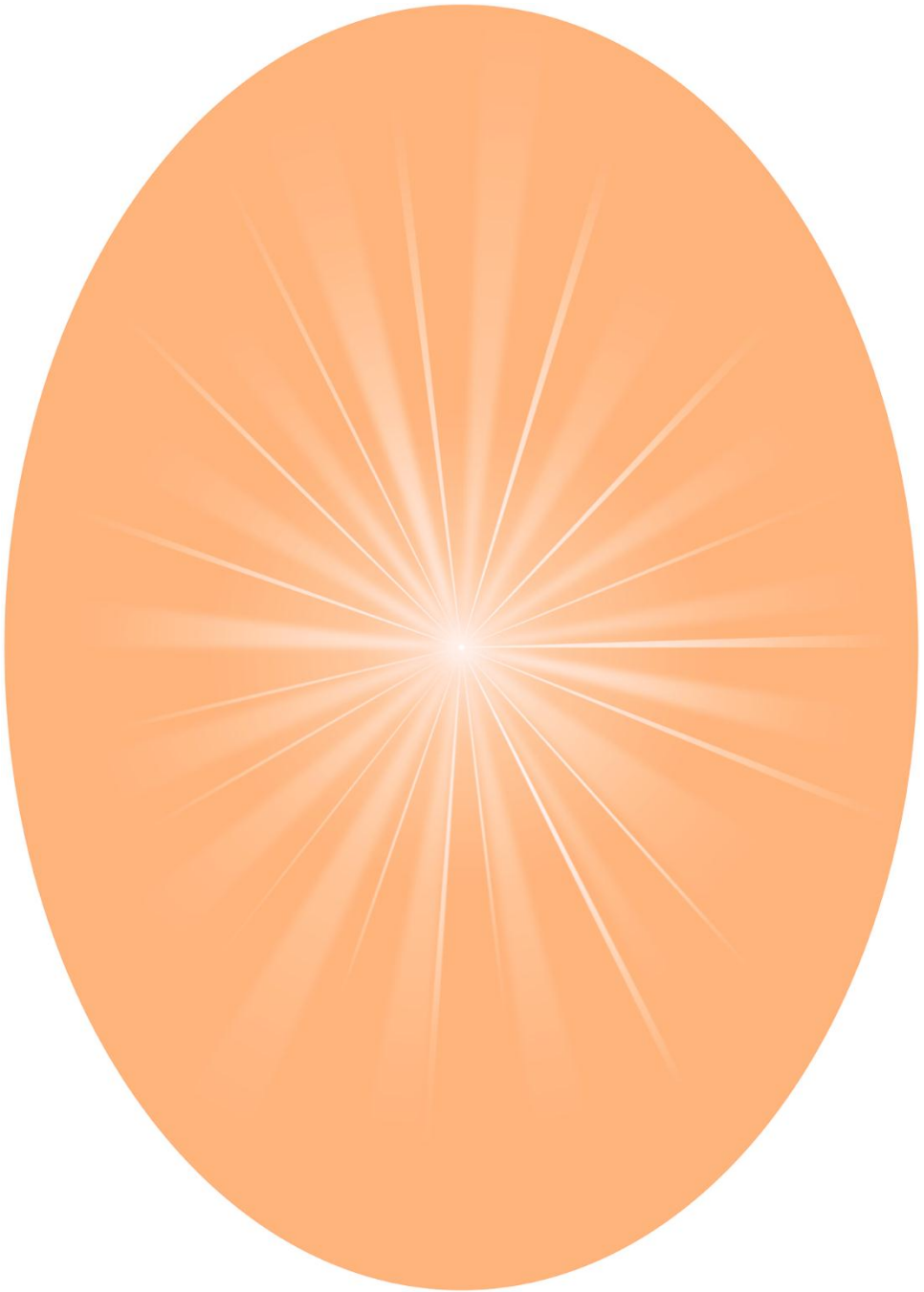

- एक सेकेण्ड में कंगाल को सिरताज बना देते हैं, यह जादू ठहरा ना। ऐसे जादूगर का तो हाथ पकड़ लेना चाहिए।जो हमको योगबल से पतित से पावन बनाते हैं। दूसरा कोई बना न सके। गंगा जी से कोई पावन बन नहीं सकता।